भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 204

उत्तर देने की तारीख 29.01.2026

आंध्र प्रदेश में जनजातीय अनुसंधान संस्थान

204. श्री बस्तीपति नागराजू:
श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालू:
श्री डग्गुमल्ला प्रसादा राव:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने सामाजिक-आर्थिक विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और अनुसंधान पहलों के संबंध में जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) के प्रभाव और प्रभावकारिता का आकलन किया है, यदि हां, तो ऐसे आकलनों के मुख्य निष्कर्ष क्या है;
(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान टीआरआई को सहायता योजना के अंतर्गत प्रत्येक जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) द्वारा विशेषकर आन्ध्र प्रदेश में वर्ष-वार, राज्य-वार और स्थान-वार कितनी धनराशि आवंटित, जारी और उपयोग की गई है;
(ग) क्या सरकार ने टीआरआई के अनुसंधान अथवा अवसंरचना में किन्हीं कमियों की पहचान की है, यदि हां, तो इन संस्थानों को सुदृढ़ करने के लिए क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं;
(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान जनजातीय संस्थानों द्वारा कुल कितने अनुसंधान अध्ययन और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, आन्ध्र प्रदेश में जनजातीय कल्याण और सांस्कृतिक प्रलेखन के लिए शुरू की गई परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या आन्ध्र प्रदेश में उन्नत आंकड़े आधारित शासन मॉडल और भाषा संरक्षण पहलों के साथ जनजातीय अनुसंधान संस्थानों का विस्तार या उन्नयन करने की योजना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क) जी हां, जनजातीय कार्य मंत्रालय समय-समय पर बैठकों, अनुमोदित परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी, उपयोग प्रमाण पत्र, प्रगति रिपोर्ट, टीआरआई के वास्तविक दौरे और आउटपुट के मूल्यांकन के माध्यम से जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) के प्रदर्शन की समीक्षा करता है। विकास निगरानी और

मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ,) नीति आयोग द्वारा एक व्यापक मूल्यांकन अध्ययन भी किया गया था, जिसके लिए अक्टूबर 2025 में रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। इस मूल्यांकन रिपोर्ट ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह योजना जनजातीय मामलों पर अनुसंधान और प्रलेखन के लिए संवैधानिक अधिदेश (जनादेश) के साथ दृढ़ता से संरेखित होती है। टीआरआई ने पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने और नीति निर्माण में सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालाँकि, उनकी क्षमता राज्यों में व्यापक रूप से भिन्न होती है। राज्यों में लक्षित संसाधन आवंटन और अनुसंधान दिशानिर्देशों के मानकीकरण के माध्यम से टीआरआई की संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करने की सिफारिश की गई थी। इसके अलावा, सह-वित्त पोषित अनुसंधान के लिए विश्वविद्यालयों और अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसियों के साथ सहयोग को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

(ख) वर्तमान में, जनजातीय कार्य मंत्रालय 'जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को सहायता' योजना के तहत 29 जनजातीय अनुसंधान संस्थानों को वित्त पोषित कर रहा है। टीआरआई की मुख्य जिम्मेदारी जनजातीय समुदायों, उनके समाज और संस्कृति एवं संबंधित विषय के महत्वपूर्ण क्षेत्रों से संबंधित जानकारी के भंडार के साथ जनजातीय लोगों के कला और संस्कृति के विकास और संरक्षण के लिए एक ज्ञान और अनुसंधान के एक निकाय के रूप में तथा थिंक टैंक के रूप में कार्य करना है। टीआरआई के स्थापनाओं (सैट्स) के भीतर, जनजातीय संग्रहालय, पुस्तकालय, प्रशिक्षण केंद्र, अनुसंधान शाखा आदि हैं। टीआरआई ने विभिन्न गतिविधियों जैसे अनुसंधान अध्ययन, मूल्यांकन अध्ययन, प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशाला का आयोजन, जनजातीय मेलों और त्योहारों का आयोजन, आधारभूत सर्वेक्षण, प्रकाशन, वृत्तचित्र/दस्तावेज, आदान-प्रदान यात्राओं (एक्सचेंज विजिट) का आयोजन आदि को वर्षों से किया है। टीआरआई की सूची अनुलग्नक-**I** पर है।

जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई), संबंधित राज्य जनजातीय कल्याण विभाग के माध्यम से मंत्रालय को बजट की आवश्यकता के साथ सालाना विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत करते हैं। राज्य सरकार को ज़रूरत के हिसाब से और सचिव, जनजातीय कार्य की अध्यक्षता वाली शीर्ष समिति (एपेक्स कमेटी) की संस्वीकृति से निधियां मंजूर की जाती हैं । 2020-21 से 2024-25 की अवधि के दौरान 'जनजातीय अनुसंधान संस्थान को सहायता' योजना के तहत टीआरआई, आंध्र प्रदेश सहित टीआरआई को जारी की गई निधियों का विवरण अनुलग्नक-**II** पर है।

(ग) जी हाँ, इस मंत्रालय ने टीआरआई में अनुसंधान क्षमता, अवसंरचना, डिजिटलीकरण और श्रम शक्ति (मैनपावर) से संबंधित अंतरों की पहचान की है। सुधार के उपायों में आधारभूत संरचना उन्नयन (अपग्रेडेशन) के लिए वित्तीय सहायता, रिकॉर्ड और अनुसंधान आउटपुट के डिजिटलीकरण के लिए सहायता, मानव संसाधन और तकनीकी विशेषज्ञता को सुदृढ़ करना, और शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग को प्रोत्साहित करना शामिल है।

(घ (टीआरआई ने पिछले पांच वर्षों के दौरान 399 अनुसंधान अध्ययन और 467 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। जनजातीय कल्याण और सांस्कृतिक प्रलेखन के लिए आंध्र प्रदेश में टीआरआई द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण अनुलग्नक-**III** में दिया गया है।

(ङ)जी हां, केंद्र प्रायोजित योजना "जनजातीय अनुसंधान संस्थानों को सहायता" के माध्यम से आंध्र प्रदेश सहित पूरे भारत में जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को सुदृढ़ करने, उन्नयन (अपग्रेड) करने और सहायता देने के लिए सक्रिय योजनाएं हैं। बुनियादी ढांचे की क्षमता बढ़ाने, डेटा-संचालित नीति अनुसंधान और भाषा संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस उद्देश्य के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित पहलें की गई हैंः

आंध्र प्रदेश में जनजातीय सांस्कृतिक अनुसंधान और प्रशिक्षण मिशन (टीसीआर एंड टीएम) ने अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए सार्वजनिक प्रणालियों में नवाचार केंद्र (सीआईपीएस) के माध्यम से एक रोडमैप विकसित किया है। जनजातीय कलाकारों, कारीगरों और सांस्कृतिक कलाकारों के लिए डेटाबेस बनाया है। जनजातीय कलाकारों और कारीगरों को, जनजातीय कला एवं शिल्प को प्रदर्शित करने तथा बिक्री के लिए राज्य और राष्ट्रीय स्तर के जनजातीय मेलों और त्योहारों में भेजा जाता है। इसके अलावा, जनजातीय भाषाओं को संरक्षित करने के लिए 6 जनजातीय भाषाओं (सवरा, कुवी, कोंडा, कोया, आदिवासी उड़िया और सुगली) में प्रवेशिकाएं (प्राइमर्स) विकसित की गई हैं। टीआरआई द्विभाषी शब्दकोशों और त्रिभाषी प्रवीणता मॉड्यूल तैयार करने के माध्यम से स्वदेशी जनजातीय भाषाओं के संरक्षण में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। इसके अलावा, डेटा-संचालित दृष्टिकोण को जनजातीय विकास योजना में एकीकृत किया जाता है, जिसमें योजनाओं की निगरानी के लिए डेटा विश्लेषण उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑफ डेटा एनालिटिक्स) (सीईडीए) द्वारा विकसित डैशबोर्ड का उपयोग किया जाता है।

अनुलग्नक-I

जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) की सूची

क्र.सं.	पता
1	जनजातीय अनुसंधान संस्थान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सरकार, प्रशासन, पोर्ट ब्लेयर - 744 101
2	जनजातीय अनुसंधान संस्थान, आंध्र प्रदेश सरकार, जनजातीय कल्याण विभाग, कंधारी होटल रोड, रेवेन्यू कॉलोनी, विजयवाड़ा -520 010
3	जनजातीय अनुसंधान संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता और जनजातीय कार्य विभाग, राजीव गांधी स्टेडियम के पीछे, बी-सेक्टर नाहरलागुन, पिन :791110, अरुणाचल प्रदेश।
4	असम जनजाति और अनुसूचित जाति अनुसंधान संस्थान, असम सरकार, जवाहरनगर, एनएच - 37, गुवाहाटी - 781022
5	जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान छत्तीसगढ़ सरकार, पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर, सेक्टर-4, रायपुर
6	जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, गुजरात विद्यापीठ, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380014, गुजरात
7	जनजातीय अध्ययन संस्थान हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, समर हिल्स, शिमला- 171005, हिमाचल प्रदेश
8	जनजातीय कल्याण अनुसंधान संस्थान झारखंड सरकार, मोराबादी रोड, रांची - 834008
9	जनजातीय अनुसंधान संस्थान, जनजातीय कार्य निदेशालय जम्मू और कश्मीर सरकार, सिविल सचिवालय, जम्मू - 180001
10	कर्नाटक राज्य जनजातीय अनुसंधान संस्थान, #सीए-3 ट्रेजरी लाओट, केरगल्ली, मैसूर - 570026
11	केरल अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति अध्ययन, अनुसंधान प्रशिक्षण एवं विकास संस्थान, केरल सरकार, कोझिकोड – 673017
12	जनजातीय अनुसंधान एवं विकास संस्थान, मध्य प्रदेश सरकार, 35, श्यामला हिल्स, भोपाल - 462002
13	जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, महाराष्ट्र सरकार, 28, क्वींस गार्डन, पुणे-411011

14	जनजातीय अनुसंधान संस्थान, मणिपुर सरकार, चिंगमेइरोंग, इंफाल - 795001
15	अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, ओडिशा सरकार, यूनिट-VIII, सीआरपी स्क्वायर, भुवनेश्वर - 751003
16	जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राजस्थान सरकार, अशोक नगर, पोस्ट बॉक्स नं. 86. उदयपुर-313 001
17	जनजातीय अनुसंधान संस्थान, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और कल्याण विभाग, सिक्किम सरकार, सम्य कल्याण भवन, कमरा नंबर 402, 5वां माइल, लुमसे, ताडोंग, गंगटोक-737 101
18	जनजातीय अनुसंधान केंद्र, तमिलनाडु सरकार, एम.पलाडा (पीओ), उडगमंडलम, नीलगिरी जिला, तमिलनाडु, ऊटी - 643 004
19	टीसीआर एंड टीआई, तेलंगाना सरकार, डीएसएस भवन, मसाब टैंक, हैदराबाद-500 028
20	जनजातीय अनुसंधान और सांस्कृतिक संस्थान, त्रिपुरा सरकार, लेकचोवेमहुई, अगरतला, पश्चिमी त्रिपुरा -799001
21	सांस्कृतिक अनुसंधान संस्थान, पश्चिम बंगाल सरकार, पी6-1/4 सीआईटी स्कीम VII-एम, वीआईपी रोड, कंकुरगाछी, कोलकाता- 700054
22	अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उत्तर प्रदेश सरकार, भागीदारी भवन, (अंबेडकर पार्क के निकट), विपुलखंड-गोमती नगर, लखनऊ-226010
23	जनजातीय अनुसंधान संस्थान, समाज कल्याण निदेशालय, चलत्लंग, आइजोल, मिजोरम 796012
24	जनजातीय अनुसंधान संस्थान, समाज कल्याण निदेशालय, राजभवन के पास, कोहिमा, नागालैंड
25	जनजातीय अनुसंधान संस्थान, समाज कल्याण विभाग, उत्तराखंड सरकार, सुभाष रोड, सचिवालय, देहरादून - 248 001
26	जनजातीय अनुसंधान संस्थान, बाबादम, वेस्ट गारो हिल्स, मेघालय
27	जनजातीय अनुसंधान संस्थान, जनजातीय कल्याण निदेशालय, 5वीं मंजिल, श्रम शक्ति भवन, पट्टो, पणजी, गोवा
28.	जनजातीय अनुसंधान संस्थान, लद्दाख, करगिल कैम्पस, लद्दाख विश्वविद्यालय
29.	बिहार अनुसूचित जनजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (बीएसटीआरटीआई) 64/40 ऑफिसर्स फ्लैट, नेहरू पथ, पटना- 800001

अनुलग्नक-**II**

आंध्र प्रदेश में जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) के संबंध में 29.01.2026 को पूछे जाने वाले लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 204 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक।

2020-21 से 2024-25 के दौरान 'जनजातीय अनुसंधान संस्थानों को सहायता' योजना के तहत जारी की गई निधियों का विवरण						
क्र.सं.	राज्य	जारी की गई निधि (लाख रुपये में)				
		2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
1	अंडमान और निकोबार	0.00	0	0.00	0.00	0.00
2	आंध्र प्रदेश	455.00	432.75	219.13	125.00	0.00
3	अरुणाचल प्रदेश	184.15	0	0.00	48.63	150.00
4	असम	0.00	0	0.00	0.00	270.00
5	बिहार	0.00	0.00	0.00	0.00	99.00
6	छत्तीसगढ़	0.00	189.04	113.43	250.00	1100.00
7	गोवा	202.50	111.75	0.00	50.57	200.00
8	गुजरात	0.00	0	0.00	0.00	250.00
9	हिमाचल प्रदेश	50.00	114.1	0	0.00	125.00
10	जम्मू और कश्मीर	206.51	200	170.84	770.85	100.00
11	झारखंड	0.00	13.92	164.96	417.03	200.00
12	कर्नाटक	26.35	184.25	0.00	0.00	200.00
13	केरल	0.00	0	0.00	0.00	300.00
14	लद्दाख	0.00	0.00	0.00	0.00	99.00
15	मध्य प्रदेश	447.00	484.58	0.00	143.08	600.00
16	महाराष्ट्र	0.00	0	0.00	0.00	250.00
17	मणिपुर	0.00	0	0.00	0.00	140.00
18	मेघालय	0.00	66.224	0.00	0.00	100.00
19	मिजोरम	1178.22	766.65	53.75	550.00	723.14
20	नागालैंड	0.00	85	205.000	400.00	600.00
21	ओडिशा	503.00	644.76	313.15	600.00	600.00
22	राजस्थान	8.89	215.34216	0.00	0.00	0.00

23	सिक्किम	144.00	273.3	0.00	0.00	200.00
24	तमिलनाडु	0.00	135.09	0.00	25.00	300.00
25	तेलंगाना	375.75	548.95	0.00	0.00	1300.00
26	त्रिपुरा	0.00	44.29384	0.00	25.00	300.00
27	उत्तर प्रदेश	35.15	89.25	0.00	0.00	0.00
28	उत्तराखंड	2183.48	1400.75	0.00	948.01	793.86
29	पश्चिम बंगाल	0.00	0	0.00	0.00	0.00
	कुल	6000.00	6000.00	1240.26	4353.17	9000.00

अनुलग्नक -**III**

आंध्र प्रदेश में जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) के संबंध में 29.01.2026 को पूछे जाने वाले लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 204 के भाग (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक।

आंध्र प्रदेश में जनजातीय कल्याण और सांस्कृतिक दस्तावेज़ीकरण के लिए टीआरआई द्वारा किए गए अनुसंधान परियोजनाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी				
क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	गतिविधि का नाम	परियोजना का नाम	परियोजना राशि (लाख रुपये में)
1	2024-2025	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	एक दिवसीय राज्य स्तरीय जनजातीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन और प्रतिष्ठित जनजातीय कलाकारों का सम्मान।	10
2	2024-2025	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन: जनजातीय गौरव दिवस 2024 (15 नवंबर से 21 नवंबर)	0
3	2024-2025	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	जनजातीय कारीगरों, कलाकारों, सांस्कृतिक कलाकारों, लोक गायकों और संगीतकारों को उनके कौशल को बढ़ाने और पारंपरिक कला को बढ़ावा देने के लिए कौशल प्रशिक्षण का आयोजन करना।	10
4	2024-2025	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी का आयोजन	10
5	2024-2025	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	राज्य में आरओएफआर के कार्यान्वयन पर क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण।	10
6	2024-2025	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	क्षमता निर्माण लाइन एसटीसी/टीएसपी घटकों के क्षेत्र पदाधिकारियों (कार्यकताओं) की मांग करती है।	5
7	2024-2025	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	परिणाम अभिविन्यास, डिजिटल तकनीक आदि पर शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण।	5
8	2024-	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	जनजातीय छात्रों के बीच राष्ट्रीय स्तर की	25

	2025		तीरंदाजी का आयोजन	
9	2023-2024	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	राज्य में आरओएफआर के कार्यान्वयन पर क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण।	20
10	2023-2024	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	जनजातीय कलाकारों और कारीगरों के बीच कौशल उन्नयन	50
11	2023-2024	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	कैस्केड मॉडल के माध्यम से पेसा और एलटीआर पर एसटी पीआरआई सदस्यों के लिए क्षमता निर्माण	20
12	2023-2024	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	व्यापक योजनाओं के माध्यम से अंतरों और खामियों की पहचान करके उन्हें दूर करने के लिए टीडब्ल्यू विभाग की गतिविधियों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए संबंधित विभागों के साथ कार्यशालाएं।	0
13	2022-2023	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	जनजातीय शिल्प को बढ़ावा देने के लिए 4 दिवसीय राष्ट्रीय शिल्प मेला सह विक्रय का आयोजन, जिसका उद्देश्य स्थानीय के लिए मुखर के साथ-साथ स्थानीय से वैश्विक तक जाना है। यह उनकी आजीविका को भी बढ़ावा देता है।	80
14	2021-2022	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	कैस्केड मॉडल के माध्यम से अजजा (एसटी) पीआरआई सदस्यों के लिए क्षमता निर्माण	5
15	2021-2022	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	आरओएफआर पर क्षमता निर्माण	5
16	2021-2022	प्रशिक्षण/सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन	जनजातीय कारीगरों और कलाकारों के लिए डेटा आधार निर्माण और क्षमता निर्माण	5

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	गतिविधि का नाम	उप गतिविधि का नाम	परियोजना का नाम	परियोजना राशि (लाख में)
1	2024-2025	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	शिक्षा	आंध्र प्रदेश में अनुसूचित जनजाति के युवाओं के बीच कौशल अंतर अध्ययन (स्किल गैप स्टडी) और	10

				स्थानीय क्षमता वाले रोज़गारपरक ट्रेड की पहचान, जिसमें स्वरोज़गार भी शामिल है।	
2	2024-2025	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	शिक्षा	आधार नामांकन के लाभों के लिए छूट गए पीवीटीजी की जांच के लिए आधारभूत सर्वेक्षण। सामुदायिक प्रमाणपत्र जारी करना और जनधन खाते -सभी लाभ प्राप्त करने के लिए तीन आवश्यकताएं	10
3	2023-2024	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	शिक्षा	आंध्र प्रदेश में काली मिर्च किसानों की आजीविका को सशक्त करने और प्रवर्धन की कार्य अनुसंधान परियोजना	65.75
4	2023-2024	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	शिक्षा	जनजातीय समूहों के बीच नृजातीय-चिकित्सा व्यवसायियों को सूचीबद्ध करने, पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं के दस्तावेजीकरण, पौधों के औषधीय मूल्यों एवं उपयोग और राज्य के 8 आईटीडीए क्षेत्रों में औषधीय पौधों की नर्सरी के उदय पर कार्य अनुसंधान परियोजना।	70.3
5	2023-2024	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	शिक्षा	आंध्र प्रदेश के एएसआर और मन्यम जिले में आदिवासियों की आजीविका में सुधार के लिए दीर्घकालिक परती पोडु भूमि में झाड़ू की घास की खेती को बढ़ावा देने के लिए अध्ययन सह कार्रवाई अनुसंधान ट्रेल्स	56
6	2022-2023	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	आधारभूत सर्वेक्षण	आंध्र प्रदेश में आदिम कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) पर आधारभूत सर्वेक्षण (बेसलाइन सर्वे)	27.37
7	2022-2023	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	आधारभूत सर्वेक्षण	प्रधान मंत्री आदि आदर्श योजना (मॉडल गांव) को क्रियान्वित (लागू) करने के लिए 312 जनजातीय गांवों के लिए आधारभूत सर्वेक्षण (बेसलाइन सर्वे) करना और एकीकृत जनजातीय ग्राम विकास योजना तैयार करना।	54.6
8	2022-2023	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	आधारभूत सर्वेक्षण	छह जनजातीय भाषाओं अर्थात् सवरा, कोंडा, कुवी, आदिवासी ओरिया, कोया और सुगाली में शब्दकोष (डिक्शनरी) का विकास और टीआरआई प्रकाशन।	30
9	2022-2023	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	आधारभूत सर्वेक्षण	पडेरू आईटीडीए एजेंसी क्षेत्र के 17 जनजातीय समूहों के लिए वैकल्पिक आजीविका निर्माण के लिए एसआईएसएएल पत्तियों और लैंटाना संयंत्र से फाइबर के निष्कर्षण पर कौशल विकास का एक कार्य अनुसंधान।	40
10	2021-2022	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	कोई नहीं	प्रधानमंत्री आदि आदर्श योजना (मॉडल गांव) को क्रियान्वित (लागू) करने के लिए 250 जनजातीय	43.75

				गांवों का आधारभूत सर्वेक्षण (बेसलाइन सर्वे) करना और एकीकृत जनजातीय ग्राम विकास योजना तैयार करना।	
11	2020-2021	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	कोई अन्य	पोलावरम परियोजना-पीडीएफ और पीएएफ का राहत और पुनर्वासन- पोलावरम परियोजना क्षेत्र में कुछ जनजातीय गांवों के लिए व्यापक ग्राम विकास का अध्ययन और विकास योजना	50
12	2020-2021	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	आजीविका	आंध्र प्रदेश में प्रवासियों का दस्तावेजीकरण और संकलन-आजीविका सुरक्षा के लिए भविष्य की कार्य योजना	85
13	2020-2021	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	शिक्षा	आंध्र प्रदेश राज्य में आश्रम स्कूलों के कामकाज के मूल्यांकन पर एक अनुभवजन्य अध्ययन	28
14	2020-2021	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	कोई अन्य	आंध्र प्रदेश में काली मिर्च किसानों की आय में सुधार	100
15	2020-2021	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	आजीविका	कौशल विकास सहित आजीविका उद्यम मॉडल के रूप में पहाड़ी ढलानों पर नई किस्म की झाड़ू की घास को बढ़ावा देना।	55
16	2020-2021	अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण	आजीविका	स्थायी आजीविका के लिए एनटीएफपी के मूल्य संवर्धन के लिए प्रसंस्करण में जनजातियों के बीच कौशल विकास	19

*****